



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 337,
No. 337]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 30, 1993/अश्विन 8, 1915
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 30, 1993/ASVINA 8, 1915

जन-भूतन परिवहन मंत्रालय
(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

सा.का नि. 635(अ):—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पत्तन न्यासी मण्डल द्वारा बनाये गये और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में मद्रास पत्तन न्यास (छुट्टी) (संशोधन) विनियम, 1993 का अनुमोदन करती है।

2. ~~उक्त~~ विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की ~~तारीख~~ को प्रवृत्त होगा।

[फा.सं.पी.आर.-12012/16/93-पी.ई.-1]
अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

अनुसूची

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी) (संशोधन) विनियम

महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए मद्रास पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड यह संशोधन विनियम बनाता है, बशर्ते कि केन्द्र सरकार का अनुमोदन मिल जाये।

लघु शीर्षः

ये विनियम मद्रास पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी) (संशोधन) विनियम 1993 कहलायेंगे।

2. मद्रास पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी) विनियम 1987 में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे।

(1) मौजूदा विनियम 2 (1) (ए) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

2(1)(ए) पूरे वेतन पर अर्जित छुट्टी:

प्रत्येक कर्मचारी के लिये अर्जित छुट्टी लेख का अनुरक्षण किया जाएगा जिसमें उसके खाते को अर्जित छुट्टियों का हिसाब किताब रहेगा तथा जुलाई 1979 को 15 दिन की छुट्टी जोड़ी जायेगी। तत्पश्चात् कलेंडर माह की प्रत्येक 1 जनवरी तथा 1 जुलाई को 15 दिन की छुट्टी जोड़ी जायेगी।

(2) मौजूदा विनियम 2(1)(बी) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जायेगा:

हरेक अर्ध वर्ष के अन्त में कर्मचारी के खाते में बचने वाली छुट्टी को अगले अर्ध वर्ष के खाने में जोड़ा जायेगा, बशर्ते कि इस प्रकार जोड़े जाने के बाद उस अर्ध वर्ष की कुल छुट्टियां 240 दिन से ज्यादा न हों।

बशर्ते कि दिसम्बर या जून के अन्त में किसी कर्मचारी के खाते में 240 दिन से कम लेकिन 225 दिन में ज्यादा छुट्टी है तो जनवरी या जुलाई के पहले दिन खाते में अग्रिम के रूप में आने वाली 15 दिन की अर्जित छुट्टियों को विनियम 2(1)(ए) में दी गई रीति के अनुसार निम्न प्रकार से जमा किया जायेगा। खाते में डालने के बजाय छुट्टी भ्रम से रखी जायेगी तथा उसे उस अर्ध वर्ष में कर्मचारी द्वारा ली जाने वाली अर्जित छुट्टी के बदले समायोजित की जायेगी तथा शेष छुट्टियां अगर हैं तो अर्ध वर्ष के अन्त में खाते में डाली जायेगी बशर्ते कि उस अर्ध वर्ष की शेष छुट्टियां तथा पहले से ही खाते में रहने वाली छुट्टियां दोनों मिलाकर 240 दिन से ज्यादा न हों।

(3) मौजूदा विनियम 2(1)(एफ) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जायेगा :

2(1)(एफ) के तहत अर्ध वर्ष में अगर किसी कर्मचारी ने असाधारण छुट्टियां ली हैं और/अथवा कुछ अवधि के लिये छुट्टियां ली हैं, अथवा उसकी अनुपस्थिति को "डाइज नान" अर्थात् कोई कार्य नहीं किया गया घोषित किया गया हो तो अगले अर्ध वर्ष के प्रारम्भ में उसके खाते में जमा होने वाली छुट्टियों में से ऐसी ली गई छुट्टियां और/अथवा "डाइज नान" का 1/10 वां भाग कम कर दिया जायेगा और जिसकी अवधि 15 से अधिक नहीं होगी।

(4) विनियम 2(1)(बी) में आने वाला अंक "120" को "180" के रूप में प्रतिस्थापित किया जाये।

(5) विनियम 2(2)(ए) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

2(2) अर्ध वेतन पर छुट्टी :

(ए) हर कलेंडर माह की जनवरी व जुलाई के पहले दिन प्रत्येक कर्मचारी के खाते में 10 दिन की छुट्टी अग्रिम के रूप में दो बार जोड़ी जायेगी/बशर्ते कि:—

(1) जिस कलेंडर माह के वर्ष के अर्ध वर्ष में यह नियुक्त हुआ है, उस माह से उसकी सेवा की अवधि में हर कलेंडर माह में 5/3 दिन की दर से उपरोक्त छुट्टी उसके खाते में जोड़ी जायेगी।

(2) अगर कोई कर्मचारी सेवा निवृत्त हो जाता है या त्याग पत्र दे देता है तो उसके खाते में उस अर्ध वर्ष के लिये उसकी सेवा निवृत्ति या त्याग पत्र स्वीकार करने की तारीख तक हर माह 5/3 दिन की दर से छुट्टी दी जायेगी।

(3) अगर कोई कर्मचारी सेवा से निकाला जाता है या बरखास्त किया जाता है या सेवा में रहने समय मर जाता है तो प्रति कलेंडर माह 5/3 दिन की दर से, उसे निकालने जाने या बरखास्तगी या उस की मृत्यु होने के पिछले माह तक, उसे छुट्टी दी जायेगी।

(4) किसी कर्मचारी की निनम्बन अवधि जो "डाइज नॉन" के रूप में मानी जाती है, उसे इन विनियमों के किसी भी प्रयोजनार्थ सेवा के रूप में नहीं मानी जायेगी। अर्ध वेतन छुट्टी जो अग्रिम के रूप में ली गई थी, उसे पिछले अर्ध वर्ष के दौरान "डाइज नॉन" की छुट्टी की अवधि में से 1/18 की दर से घटाई जायेगी।

6. मौजूदा विनियम 2(3) में निम्नलिखित को विनियम 2(3)(ए) के रूप में शामिल किया जायेगा :

2(3)(ए) बच्चे को गोद लेने पर महिला कर्मचारी के लिये छुट्टी :

कोई भी महिला कर्मचारी जो बच्चे को गोद लेती है तो उसे किसी तरह की ग्राह्य (बिना चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत किये परिवर्तित छुट्टी भी शामिल है, जो 60 दिन से ज्यादा न हो तथा शेष छुट्टी न हो), एक वर्ष तक की छुट्टी दी जायेगी, जो निम्नलिखित शर्तों पर होगी।

(1) गोद लेते समय ऐसी महिला जिसके दो जीवित बच्चे हैं तो, उसे यह सुविधा नहीं मिलेगी।

(2) अधिकतम ग्राह्य शेष छुट्टी की अवधि तथा स्वीकार्य छुट्टी इस प्रकार से नियमित की जायेगी।

(ए) अगर गोद लिये हुए बच्चे की आयु एक महीने से कम है तो एक वर्ष तक की छुट्टी दी जा सकती है।

(बी) अगर बच्चे की आयु 6 महीने या उससे अधिक है तो, छः महीने की छुट्टी स्वीकार्य की जाये।

(सी) अगर बच्चे की आयु 9 महीने या उससे ज्यादा है तो 3 महीने की छुट्टी स्वीकार्य की जाये।

7. मौजूदा विनियम 2(4)(एफ) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

2(4) (एफ) विशेष अशक्तता छुट्टी के दौरान छुट्टी वेतन :

विशेष अशक्तता छुट्टी के दौरान वेतन इस प्रकार से होगा :—

(1) पहले 120 दिन की ऐसी छुट्टियों की कोई अवधि जिसमें मद्रास पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी) विनियम 1987 के विनियम 2(4) (डी) के तहत प्रधान की गई ऐसी छुट्टी की अवधि भी शामिल है, में उसका वेतन अर्जित छुट्टी पर रहते वक्त प्राप्त होने वाले छुट्टी वेतन के समान होगा, तथा

(2) शेष अवधि के लिये उस तरह की छुट्टी अर्ध वेतन छुट्टी के दौरान प्राप्त होने वाले छुट्टी वेतन के समान होगा।

बशर्ते कि कोई भी कर्मचारी अपनी इच्छानुसार विनियम 2(4)(एफ)(1) के प्रावधानों के अनुसार और भी छुट्टियां जिनकी अवधि 120 दिन से अधिक न हो के लिये वे छुट्टी वेतन ले सकता है तथा ऐसी परिस्थितियों में ये छुट्टियां उसके अर्ध वेतन के खाते से काटी जायेंगी।

इसके लिये एक और शर्त होगी कि ऐसा कर्मचारी जिसके लिये कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 लागू है, के मामले में इस विनियम के तहत भुगतान होने वाले छुट्टी वेतन की रकम उपरोक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के तहत भुगतान की जाने वाली प्रतिपूर्ति की रकम से काटी जायेगी।

8. मौजूदा विनियम 2(4) के तहत निम्नलिखित विनियम 2(4)(जी) को जोड़ा जायेगा :

2(4)(जी) विशेष अशक्तता छुट्टी पेंशन के लिये सेवा की गणना करते समय छुट्टी मानी जायेगी तथा नियम 2 (4) (एफ) (2) के प्रथम प्रावधान के तहत प्रदान की गई छुट्टी को छोड़कर उसके छुट्टी खाते में जमा नहीं की जायेगी।

9. मौजूदा विनियम 2(5)(सी) के तहत निम्न-लिखित प्रावधान तथा नोट को जोड़ा जाये :—

परन्तु अध्ययन छुट्टी को किसी अन्य छुट्टी के साथ जोड़ा जायेगा, लेकिन किसी भी हालत में, असाधारण छुट्टियों को छोड़कर अन्य छुट्टियों के साथ ऐसी छुट्टियों की अवधि सामान्यतः अट्ठाईस महीने और कर्मचारी की नियमित ड्यूटी से पी.एच. डी. पाठ्यक्रम के लिये 36 महीने तक होगी।

नोट : इस विनियम में निर्धारित 28 माह/36 माह की सीमा अवकाश की अवधि की अनुपस्थिति भी शामिल है।

10. मौजूदा विनियम 2(5)(ई) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाये

2(5)(ई) अध्ययन छुट्टी के दौरान छुट्टी वेतन :

अध्ययन छुट्टी के दौरान, कर्मचारी भत्ते, जैसे, महंगाई भत्ता, अतिरिक्त महंगाई भत्ता, आवास किराया भत्ता, के साथ वेतन के समतुल्य छुट्टी वेतन का भुगतान होगा। लेकिन इस तरह की छुट्टी पर जाने से पहले भुगतान करने वाला नगर प्रतिपूर्ति भत्ता नहीं मिलेगा।

11. निम्नलिखित को मौजूदा विनियम 2 के उप विनियम (7) के रूप में जोड़ा जाये :

2(7) अनिवार्य छुट्टी :

चिकित्सा विभाग के रेडियोग्राफर्स के मामले में इन विनियमों के तहत आने वाली सामान्य छुट्टियों के अनिश्चित, कलेंडर वर्ष में 15 दिन की अनिवार्य छुट्टी जो एक साथ होनी चाहिये भी दी जायेगी। उसे रेडियो-ग्राफर्स के छुट्टी खाते से काटी नहीं जायेगी।

12. मौजूदा विनियम 6 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाये :—

विभिन्न परिस्थितियों के तहत उपयोग में लाई गई अर्जित छुट्टी के समतुल्य नकद भुगतान :

(1) अधिवर्षिता पर सेवा निवृत्त होने वाले मामले में : अधिवर्षिता पर सेवा निवृत्त होने वाले कर्मचारी को निम्न-लिखित शर्तों पर सेवा विनिवृत्त होते समय उसके खाते में बची हुई औसत छुट्टी की अवधि के समतुल्य छुट्टी वेतन का भुगतान किया जायेगा :—

(ए) छुट्टी वेतन के समतुल्य नकद भुगतान को ज्यादा से ज्यादा 240 दिन की अर्जित छुट्टी तक सीमित किया जायेगा।

(बी) इस प्रकार ग्राह्य छुट्टी वेतन के समतुल्य रकम की सेवा निवृत्त के समय भुगतान किया जायेगा तथा उसे एक मुश्त में दिया जायेगा।

(सी) इस विनियम के तहत नकद भुगतान अर्जित छुट्टी के लिये ग्राह्य वेतन छुट्टी के समतुल्य होगा तथा छुट्टी वेतन पर ग्राह्य महंगाई भत्तों की दर सेवा निवृत्ति की तारीख की ही होगी। नगर क्षतिपूर्ति भत्ते तथा/या आवास किराया भत्ते आदि का भुगतान नहीं होगा।

(डी) छुट्टी की मंजूरी देने वाला प्राधिकारी अपने आप कर्मचारी की सेवा निवृत्ति की तारीख को उसके खाते में बची हुई अर्जित छुट्टी के समतुल्य नकद की मंजूरी का आदेश भी देगा।

(2) स्वैच्छिक/अनिवार्य सेवा निवृत्ति के मामले में :

अधिवर्षिता की प्राप्ति से पहले स्वैच्छिक/अनिवार्य सेवा निवृत्ति कर्मचारियों के मामले में उसके खाते में मौजूद अर्जित छुट्टी और अर्ध वेतन छुट्टी के समतुल्य तुल्य रकम का भुगतान होगा, बशर्ते कि अर्जित छुट्टी की अधिक राशि 240 दिन से ज्यादा न हो तथा कुछ छुट्टियों की अवधि उसकी अधिवर्षिता की तारीख से आगे नहीं जाती तथा अर्ध वेतन छुट्टी के भाग में से उसके छुट्टी वेतन से सेवानिवृत्त लाभों के समकक्ष पेंशन तथा तदर्थ और राहत आदि को घटा दिया जायेगा।

परन्तु अगर अर्ध वेतन छुट्टी के लिये छुट्टी वेतन, पेंशन और अन्य पेंशन सुविधाओं से कम है तो अर्ध वेतन छुट्टी के समतुल्य रकम का भुगतान नहीं किया

जायेगा। उप विनियम 6(2) के तहत अर्ध वेतन छुट्टी को आंशिक नकदीकरण अनुमोद नहीं होगा।

पुनः प्रावधान किया जाता है कि अगर किसी कर्मचारी को नोटिस के स्थान पर उस अवधि के वेतन तथा भत्तों का भुगतान करके सेवा निवृत्त किया जाता है तो नोटिस के स्थान पर भुगतान किये गये वेतन तथा भत्तों की अवधि को छोड़कर उसे छुट्टी वेतन का भुगतान किया जायेगा।

(3) चिकित्सा अमान्यकरण के मामले में :

चिकित्सा अमान्यकरण के आधार पर सेवा से निकाले गये स्थाई कर्मचारियों के मामले में उपरोक्त उप विनियम (2) में बताई गई शर्तों के अनुसार उनके लेखे में बची छुट्टी के समतुल्य नकद का भुगतान होगा।

अस्थायी या अर्ध स्थाई कर्मचारी को अमान्यकरण के आधार पर सेवा से हटाया जाने पर, अमान्यकरण की तारीख से उसके खाते में बची अर्ध वेतन छुट्टी के समतुल्य छुट्टी वेतन नहीं दिया जायेगा।

(4) सेवा से हटाया जाने वाले मामले में :

किसी कर्मचारी को नोटिस देने के बाद निकाला जाये तो उसके खाते में बची छुट्टी के समतुल्य नकद का भुगतान होगा, जो 240 दिन से ज्यादा न होगा।

(5) सेवा से इस्तीफा देने वाले मामले में :

सेवा से इस्तीफा/छोड़ देने वाले कर्मचारी के मामले में उसके खाते में बची अर्जित छुट्टी के आधे भाग के समतुल्य नकद दिया जायेगा, बशर्ते कि 120 दिन से ज्यादा न हो।

(6) सेवा निवृत्ति के बाद पुनः नियुक्ति के मामले में :

सेवा निवृत्ति के बाद पुनः नियुक्ति के मामले में खाते में बची अर्जित छुट्टी के समतुल्य नकद का भुगतान किया जायेगा बशर्ते कि, यह अवधि 240 दिन से ज्यादा न हो, जिसमें वह अवधि भी शामिल होगी जिसके लिये उसे सेवा निवृत्ति के समय भुगतान किया गया था।

(7) सेवा में रहते वक्त मृत्यु हो जाने वाले मामले में :

सेवा में रहते वक्त मृत्यु हो जाने वाले कर्मचारियों को उनके कानूनी वारिस का कर्मचारी की मृत्यु तिथि तक उसके खाते में शेष अर्जित छुट्टी के समतुल्य नकद का भुगतान किया जायेगा बशर्ते कि यह अवधि 240 दिन से ज्यादा न हो। और इसमें उसको हकदार वेतन व भत्ते जो उस अर्जित छुट्टी के लिये स्वीकृत हैं भी शामिल हैं। छुट्टी वेतन में समुचित महंगाई भत्ते भी शामिल होंगे।

नोट : बिना किसी धावे के एक ही बार में एक मुश्त राशि के भुगतान को निर्धारित करने के लिये अर्जित छुट्टी का नकद, पूर्ण वेतन पर छुट्टी वेतन समरूप होगा और अर्ध वेतन छुट्टी के लिये पूर्ण वेतन पर जहां भी छुट्टी वेतन का आधा नकदीकरण के लिये ग्राह्य है होगा तथा उसके साथ महंगाई बना लागू दरों पर अवधि जिस दिन से कर्मचारी सेवा से निवृत्त हो तब से प्रथम 240 दिनों के लिये छुट्टी वेतन पर ग्राह्य है। मकान किराया भत्ता और नगर क्षति भत्ते का भुगतान नहीं किया जायेगा।

13. मौजूदा विनियम 6-ए के उप विनियम (1) के तहत आने वाला शीर्षक अर्जित छुट्टी का नकदीकरण को निम्नलिखित उप विनियम तथा उसके तहत नोट के रूप में प्रतिस्थापित किया जाये :—

6-ए सेवा में रहते वक्त अर्जित छुट्टी का नकदीकरण :

(1) कलेंडर वर्ष में एक बार हर एक कर्मचारी को अपने खाते की 50% तक अर्जित छुट्टी का नकदीकरण करने की अनुमति है, जो 1 जनवरी, 1979 से लागू है।

बशर्ते कि इस विनियम के तहत अर्जित छुट्टी का नकदीकरण करने वाले वर्ग 1 और 2 के अधिकारी, नकदीकरण के समय लगातार अर्जित छुट्टी जिसकी अवधि 7 दिन से कम न हो, पर जायेंगे।

पुनः उल्लेखित किया जाता है कि इस विनियम के तहत अर्जित छुट्टी का नकदीकरण करने वाले वर्ग-3 तथा 4 के कर्मचारियों को नीचे दर्शाई गयी रीतियों में से किसी एक रीति से अर्जित छुट्टी जो सात दिन से कम न हो लेनी होगी।

(ए) नकदीकरण के समय एक बार छुट्टी। या

(बी) वास्तविक नकदीकरण से पहले एक या दो बार छुट्टी लेना।

(सी) सात दिन की अर्जित छुट्टी का एक भाग नकदीकरण से पहले तथा दूसरा भाग नकदीकरण के समय।

(डी) नोट : जिस पंचांग वर्ष के लिये नकदीकरण करना है उस वर्ष के दौरान किसी भी तिथिस्थिति में 7 दिन अर्जित छुट्टी लेने की व्यवस्था देकर अर्जित छुट्टी को नकद करने के लिये अनुमति नहीं दी जायेगी। जब अर्जित छुट्टी इस विनियम के तहत नकदीकरण के दौरान पूर्णतः आ-अंशतः जैसी भी स्थिति हो एक ही साथ लेते हैं तो ऐसी छुट्टी लेने वाले 7 दिनों की अवधि अर्जित छुट्टी के नकदीकरण के लिये प्राप्त पात्र पंचांग वर्ष के अंतिम त्रिमास से पहले के दिन तक होगी। किसी भी कारणवश इस शर्त का अनुपालन न करने पर नकद के रूप में प्राप्त धन राशि को तुल्य प्रशासन को वापस लौटा देनी होगी और ऐसा न करने पर दोषी कर्मचारी/अधिकारी पर अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

14. मौजूदा विनियम 7 का उप-विनियम 2 को शीर्षक के साथ निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाये :

7(2) आवास किराया तथा नगर क्षतिपूर्ति भत्ते की हकदारी :

(ए) अधिकतम 6 महीने तक बिना वेतन पर असाधारण छुट्टी सहित सभी तरह की छुट्टी पर जाने से पहले छुट्टी पर रहते वक्त जिस दर से आवास किराया भत्ता तथा नगर क्षतिपूर्ति भत्ते का भुगतान मिल रहा था वही छुट्टी के समय भी मिलेगा।

(बी) छुट्टी पर जाने से पहले जिस दर से आवास किराया भत्ते का भुगतान मिल रहा था वही अध्ययन छुट्टी के मामले में भी मिलेगा।

(सी) छः महीने की उपरोक्त अवधि आठ महीने तक बढ़ायी जा सकती है बशर्ते कि छुट्टी, चिकित्सा आधार पर है अथवा नियोक्ता इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि कर्मचारी अथवा उसका परिवार उसी स्टेशन पर रहे जिसके लिए उन्होंने मकान किराया तथा नगर प्रतिपूर्ति भत्ते का दावा किया है अथवा उस स्थान पर मकान रखा जहाँ से वह छुट्टी गये/गई।

पाद टिप्पणी :

मुख्य विनियम :

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट (छुट्टी) विनियम 1987 जी.एस. आर. संख्या 454(ई) दिनांक 5 मई, 1987 द्वारा अनुमोदित किया गया।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 1993

G.S.R. 635(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Govt. hereby approves the Madras Port Trust (Leave) Amendment Regulations, 1993 made by the Board of Trustees for the Port of Madras and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PR-12012/16/93-PF-1]

ASHOKE JOSHI, Jr. Secy.

MADRAS PORT TRUST (LEAVE) (AMENDMENT) REGULATIONS

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963).

the Madras Port Trust Board hereby makes, subject to the approval of Central Government the following amendment regulations :—

1. Short Title.—These regulations may be called the Madras Port Trust (Leave) (Amendment) Regulations, 1993.

2. In the Madras Port Trust (Leave) Regulations, 1987 the following amendments shall be made :—

(i) The existing Regulation 2(1) (a) shall be substituted as under :—

2(1) (a) Earned Leave on full pay :

In respect of each employee an account of earned leave will be maintained to which will be carried forward the earned leave to his credit on 1st July, 1979 to which 15 days will be added. Thereafter the same quantum of 15 days will be credited on 1st January and 1st July of each calendar year.

(ii) The Existing Regulation 2(1) (b) shall be substituted by the following :

The leave at credit of an employee at the close of the previous half year shall be carried forward to the next half year, subject to the leave so carried forward plus the credit for that half year not exceeding 240 days.

Provided that where the earned leave at the credit of the employee as on the last day of December or June is 240 days or less but more than 225 days, the advance credit of 15 days earned leave on first day of January or July to be afforded in the manner indicated under Regulation 2(1) (a) above shall instead of being credited in leave account be kept separately and first adjusted against the earned leave that the employee takes during that half year and the balance, if any, shall be credited to the leave account at the close of the half year, subject to the condition that the balance of such earned leave plus leave already at credit do not exceed the maximum limit of 240 days.

(iii) The existing regulation 2(1) (f) shall be substituted by the following :—

(2(1) (f) If an employee has availed of extraordinary leave and/or some period or absence has been treated as 'dies-non' in a half year, the credit to be afforded to his leave account at the commencement of the next half year shall be reduced by 1/10 of the period of such leave and/or dies-non subject to a maximum of 15 days.

(iv) The figure '120' occurring in Regulation 2(1) (b) shall be substituted as '180'.

(v) The existing regulation 2(2) (a) shall be substituted as under :—

2(2) Leave on half Pay :

(a) The half pay leave account of every employee shall be credited with half pay leave in advance, in two instalments of ten days each on the first day of January and July of every calendar year. Provided that —

(i) The leave shall be credited to the said leave account at the rate of 5/3 days for each

completed calendar month of service which he is likely to render in the half year of the calendar year in which he is appointed.

- (ii) The credit for the half year in which an employee is due to retire or resigns from the service shall be allowed at the rate of 5|3 days per completed calendar month upto the date of retirement or resignation.
- (iii) When an employee is removed or dismissed from service or dies while in service, credit of half pay leave shall be allowed at the rate of 5|3 days per completed calendar month upto the end of the calendar month preceding the calendar month in which he is removed or dismissed from service or dies while in service.
- (iv) The period of suspension of an employee, which is treated as dies-non shall not be reckoned as service for the purpose of any of these regulations. The advance credit of HPL shall be reduced at the rate of 1|18th of the period of dies-non during the previous half year.
- (vi) The following shall be included as Regulation 2(3)A Under the existing Regulation 2(3):—

2(3)-A.—Leave to female employees on adoption of a child.

A female employee on her adopting a child may be granted leave of the kind and admissible (including commuted leave without production of medical certificate for a period not exceeding 60 days and leave not due) upto one year subject to the following conditions :

- (i) The facility will not be available to an adoptive mother already having two living children at the time of adoption;
- (ii) The maximum admissible period of leave of the kind due and admissible will be regulated as under :
 - (a) If the age of the adopted child is less than one month, leave upto one year may be allowed.
 - (b) If the age of the child is six months or more, leave upto six months may be allowed.
 - (c) If the age of the child is nine months or more, leave upto three months may be allowed.

(vii) The existing regulation 2(4) (f) shall be substituted as under :—

2(4) (f) : Leave Salary during Special Disability Leave :

Leave salary during special disability leave shall—

- (i) for the first 120 days of any period of such leave including a period of such leave granted under Regulation 2(4) (d) of the Madras Port Trust (leave) Regulations 1987, be equal to leave salary while on earned leave; and
- (ii) for the remaining period of any such leave, be equal to leave salary during half pay leave.

Provided that an employee may, at his option be allowed leave salary as in Regulation 2(4) (f) (i) for a period not exceeding another 120 days and in that event the period of such leave shall be debited to his half pay leave account.

Provided further that in the case of an employee to whom the workmen's Compensation Act, 1923 applies, the amount of leave salary payable under this Regulation shall be reduced by the amount of compensation payable under Clause (d) of sub-section (1) of Section 4 of the said Act.

(viii) The following shall be included as Regulation 2(4) (g) under the existing Regulation 2(4) :

2(4) (g) Special Disability leave shall be counted as duty in calculating service for Pension and shall not, except the leave granted under the first proviso to rule 2(4) (f) (ii) be debited against the leave account.

(ix) The following proviso and note shall be inserted under the existing Regulation 2(5) (c) :

Provided that study leave may be combined with other kinds of leave but in no case shall the grant of this leave in combination with leave, other than extraordinary leave, involve a total absence of more than twenty-eight months generally and thirty-six months of the courses leading to Ph.D Degree from the regular duties of the employees.

Note : The limit of twenty eight months|thirty six months of absence prescribed in this Regulation includes the period of vacation.

(x) The existing regulation 2(5) (e) shall be substituted as under :—

2(5) (e) Leave salary during Study Leave :

During study leave, the employee shall draw leave salary equal to the pay with allowances viz. Dearness

Allowance, Addl. Dearness Allowance, House Rent Allowance but excluding City Compensatory Allowance that he drew while on duty immediately before proceeding on such leave.

(xi) The following shall be included as sub-regulation (7) to the existing Regulation 2 :—

2(7) Compulsory Leave :

In the case of Radiographers of Medical Department in addition to the entitlement of normal leave under these regulations, compulsory leave of 15 days in a calendar year shall be granted in one spell which is not debitable to the leave account of the Radiographers.

(xii) The following shall be substituted against the existing Regulation 6 :

Payment of cash equivalent of unutilised earned leave under various circumstances :

(1) In the case of retirement on superannuation :

An employee retiring on superannuation shall be paid cash equivalent of leave salary in respect of the period of earned leave at his credit at the time of retirement subject to the following conditions :

- (a) The payment of cash equivalent of leave salary shall be limited to a maximum of 240 days earned leave.
- (b) The cash equivalent of leave salary thus admissible will become payable on retirement and will be paid in one lump sum as one time settlement;
- (c) The cash equivalent payable under this Regulation shall be equal to leave salary as admissible for earned leave and dearness allowance admissible on that leave salary at the rates in force on the date of retirement. No city compensatory allowance and/or house rent allowance shall be payable.
- (d) The authority competent to grant leave shall suo motu issue an order granting cash equivalent of ~~earned leave at credit on the date of retirement.~~

(2) In the case of Voluntary Compulsory Retirement :

In the case of employees who retire voluntarily compulsorily before the age of superannuation, cash equivalent to the earned leave and half pay leave at credit shall be payable subject to the conditions that maximum amount of earned leave does not exceed 240 days and that the total leave put together does not take him beyond the date of superannuation and also subject to reduction of pension equivalent of retirement benefits and ad hoc and graded relief from the leave salary for the half-pay leave portion.

Provided that if leave salary for the half pay leave component falls short of pension and other pensionary benefits cash equivalent of half pay leave shall not be granted. No part encashment of HPL is permissible under sub-regulation 6(2).

Provided further that in the case of an employee who is retired by giving him pay and allowances in lieu of notice, the leave salary shall be allowed only for the period of leave excluding that period for which pay and allowances in lieu of notice have been allowed.

(3) In the case of Medical Invalidation :

In the case of permanent employees who are discharged from service on medical invalidation, cash equivalent of leave at credit shall be payable as per the conditions mentioned in sub-regulation (2) above.

An employee not in permanent employ or quasi-permanent employ shall not however be granted cash equivalent of the leave salary in respect of half pay leave standing at his credit on the date of his invalidation from service.

(4) In the case of termination from service :

In the case of an employee whose service is terminated by giving notice in accordance with the terms of employment, cash equivalent of earned leave at credit shall be payable subject to a maximum of 240 days.

(5) In the case of resignation from service :

In the case of an employee who resigns/quits from service cash equivalent to half of earned leave standing to his credit shall be payable subject to a maximum of 120 days.

(6) In the case of re-employment after retirement :

In the case of an employee who is re-employed after retirement, cash equivalent to earned leave at credit shall be payable subject to a maximum of 240 days including the period for which the payment was made at the time of retirement.

(7) In the case of death while in service :

In the case of employee who dies while in service, the cash equivalent of earned leave to his credit on the day following the date of death, subject to a maximum of 240 days, shall be paid to his legal heirs and this shall include the pay and allowances he would have been entitled to had he been sanctioned such earned leave. The leave salary shall include the appropriate dearness allowances also.

Note : In the determining the amount payable in one lump sum as one time settlement without any claim, the cash equivalent for earned leave shall be equal to leave salary on

full pay and for the half-pay leave wherever admissible for encashment at half of the leave salary for full pay, plus dearness allowance admissible on the leave salary for the first 240 days at the rates in force on the date the employee ceases to be in service. No House Rent Allowance and City Compensatory Allowance is payable.

- (xiii) The existing sub-regulation (i) of Regulation 6-A under the heading 'Encashment of Earned Leave' shall be substituted by the following sub-regulation and Note there under :—

6-A Encashment of Earned Leave while in service :

(i) Every employee shall be allowed to encash up to 50 per cent of the Earned Leave standing to his credit, once in a calendar year, with effect from 1st January, 1979.

Provided that in the case of Classes I and II Officers who avail encashment of Earned Leave under this Regulation should avail of a continuous spell of earned leave of not less than seven days simultaneously, i.e. at the time of encashment.

Provided further that in the case of Classes III and IV employees who avail encashment of Earned Leave under this regulation should avail of earned leave of not less than seven days in any one of the manner specified below :

- (a) at the time of encashment in one spell; or
- (b) before the actual encashment in one or more spells;
- (c) One part of the 7 days E.L. before encashment and another part simultaneously at the time of encashment.

Note : Under no circumstances it is permissible to encash earned leave only on promise of availing 7 days earned leave during the calendar year in which the encashment is sought for. When **Earned Leave** under this regulation is availed simultaneously either fully or partly, as the case may be, at the time of encashment, the period of 7 days to be availed as a condition should fall

within the date before the last date of the calendar year for which the encashment of Earned Leave is eligible. The non-compliance of this condition for any reason shall entail refund of the cash equivalent received in one lump sum to the Administration forthwith failing which disciplinary action against erring employee/officer shall be taken.

- (xiv) The existing sub-regulation (ii) of Regulation 7 with the heading shall be substituted as under :—

7 (ii) Entitlement of House Rent and City Compensatory Allowance :

- (a) House Rent Allowance and City Compensatory Allowance shall be payable at the rates at which they were drawn while on duty immediately before proceeding on leave in the case of all kinds of leave including extraordinary leave on loss of pay up to a maximum period of six months.
- (b) House Rent Allowance alone shall be payable at the rates at which they were drawn while on duty immediately before proceeding on leave in the case of study leave.
- (c) The limit of six months can be extended up to eight months if the leave is on medical grounds or if it has been satisfied by the employer that the employee or family continued for the period for which HRA/CCA is claimed, to reside at the same station or to retain the house at the same stations from where he/she proceeded on leave.

FOOT NOTE :

Principal Regulations :

The Madras Port Trust (Leave) Regulations, 1987 were published vide G.S.R. No. 454(E) dated 5th May, 1987.

Sd/-
Dy. Secy.
Madras Port Trust